



ग्लासगो ग्लेशियर: अंटार्कटिका

प्रलिमिंस के लिये:

ग्लासगो जलवायु शिखर सम्मेलन, यूनाइटेड नेशंस फ्रेमवर्क कन्वेंशन ऑन क्लाइमेट चेंज, स्टॉकहोम सम्मेलन, विश्व जलवायु सम्मेलन, रियो शिखर सम्मेलन, ग्रीन क्लाइमेट फंड

मेन्स के लिये:

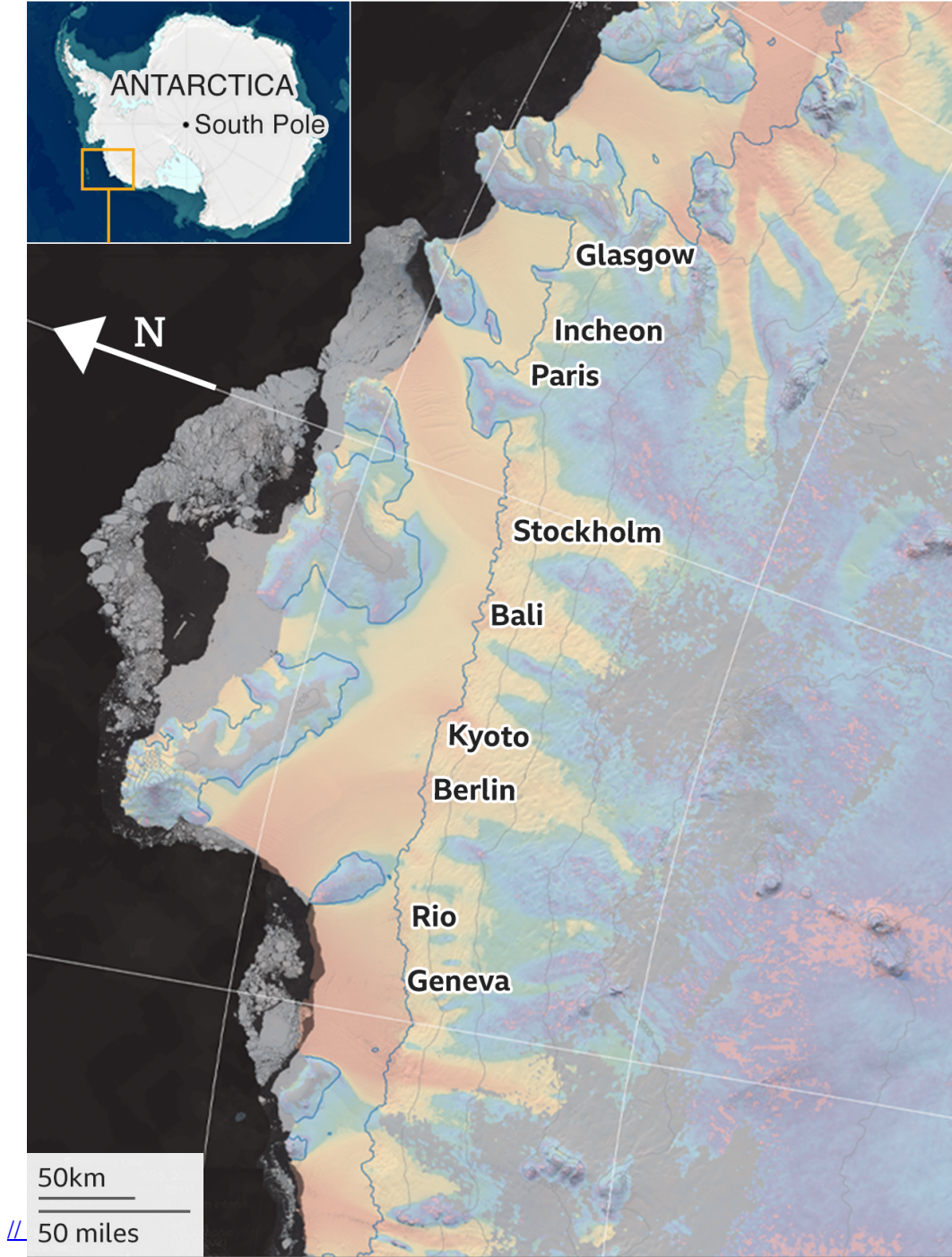
ग्लोबल वार्मिंग के वनाशकारी प्रभाव एवं पर्यावरणीय संरक्षण में COP का महत्त्व

चर्चा में क्यों?

हाल ही में अंटार्कटिका में 100 कर्मी. लंबा बर्फ का पडि जो तेज़ी से पघिल रहा है, को औपचारिक रूप से ग्लासगो जलवायु शिखर सम्मेलन के बाद ग्लासगो ग्लेशियर नाम दिया गया।

- यूनाइटेड नेशंस फ्रेमवर्क कन्वेंशन ऑन क्लाइमेट चेंज (UNFCCC) के COP का 26वाँ सत्र ब्रिटेन के ग्लासगो में आयोजित किया जा रहा है।

Getz glaciers named after 'climate cities'



प्रमुख बढि

- **शोध:** इंग्लैंड में लीड्स विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने अंटार्कटिका के गेटज़ बेसिन में ग्लेशियरों की एक शृंखला का अध्ययन किया है।
- जलवायु परिवर्तन के कारण वर्ष 1994 और 2018 के बीच पश्चिमि अंटार्कटिका के गेटज़ बेसिन में 14 ग्लेशियरों की मोटाई औसतन 25% कम हो गई है। पछिले 25 वर्षों में इस क्षेत्र से 315 गीगाटन बर्फ पघिल गई जो वैश्विक समुद्र के स्तर में वृद्धि में योगदान दे रही है।
- गेटज़ बेसिन अंटार्कटिका के सबसे बड़े आइस शेल्फ का हिस्सा है। शेल्फ अधिक परिवर्तनशील समुद्री बल के अधीन होता है, यह एक ऐसी प्रक्रिया है जहाँ अन्य अंटार्कटिक शेल्फ की तुलना में अपेक्षाकृत गर्म गहरे समुद्र का पानी ग्लेशियरों को पघिला देता है।
- **अन्य ग्लेशियरों के नाम: आठ नए नामति ग्लेशियर नमिनलखिति पर आधारति हैं:**
 - **स्टॉकहोम सम्मेलन (1972):** स्टॉकहोम सम्मेलन के प्रमुख परिणामों में से एक **संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP)** का नरिमाण था।
 - **वशिव जलवायु सम्मेलन, जनिवा (1979):** वशिव जलवायु सम्मेलन, जिसे अब आमतौर पर प्रथम वशिव जलवायु सम्मेलन कहा जाता है, जनिवा में आयोजति किया गया था।

- **रियो शखिर सम्मेलन (1992):** इसने **एजेंडा 21** नामक विकास प्रथाओं की एक सूची की सफ़ारिश की। इसने सतत विकास की अवधारणा को पारस्थितिक ज़िम्मेदारी के साथ संयुक्त आर्थिक विकास से जोड़ा।
- **COP-1 (बर्लिन, जर्मनी, 1995):** जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन (COP-1) के लिये COP-1 का आयोजन वर्ष 1995 में बर्लिन में किया गया।
- **क्योटो प्रोटोकॉल (1997):** क्योटो में विकासित देश वर्ष 2008 और 2012 के बीच वर्ष 1990 के स्तर से नीचे ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में 5.2% की कमी के सामूहिक लक्ष्य पर सहमत हुए।
- **COP-13 (बाली, इंडोनेशिया, 2007):** पार्टियों ने बाली रोडमैप और बाली कार्य योजना पर सहमतवियक्त की, जिसने वर्ष 2012 के बाद के परिणाम की ओर अग्रसर किया।
- **COP-21 (पेरिस, 2015):** वैश्विक तापमान को पूर्व-औद्योगिक समय से 2.0C से नीचे रखना और उसे 1.5C तक और भी अधिक सीमिति करने का प्रयास करना।
 - इसके लिये विकासित देशों को वर्ष 2020 के बाद भी वार्षिक रूप से 100 बिलियन अमेरिकी डॉलर की फंडिंग संबंधी प्रतिबद्धता बनाए रखने की आवश्यकता है।
- **इंचियोन: ग्रीन क्लाइमेट फंड (GCF)** दक्षिण कोरिया के इंचियोन में स्थित है।
- **महत्त्व:** पछिले 40 वर्षों में उपग्रहों द्वारा हमिशैल के आकार में वृद्धि होने की घटनाओं, ग्लेशियरों के प्रवाह में परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग के वनिाशकारी प्रभाव के कारण बर्फ को तेज़ी से पघिलते देखा गया है।
 - प्रमुख जलवायु संधियों, सम्मेलनों और रिपोर्टों के अतिरिक्त ग्लेशियरों का नामकरण पछिले 42 वर्षों में 'जलवायु परिवर्तन विज्ञान एवं नीतिपर अंतरराष्ट्रीय सहयोग' का जश्न मनाने का एक शानदार तरीका रहा है।

स्रोत: द हट्टू